धार्मिक यात्राएं एकता की वाहक : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धार्मिक यात्रायें केवल पर्यटन के निमित्त नहीं अपितु देश की सांस्कृतिक एकता की वाहक भी हैं। जब गौमुख या प्रयाग राज से पवित्र जल सुदूर दक्षिण में स्थित रामेश्वरम में कोई श्रद्धालु ले जाता है, तो इस देश की सांस्कृतिक एकता प्रबलता की ओर अग्रसर होती है। और ऐसा ही महान कार्य कैलाश मानसरोवर और सिंधु दर्शन यात्राओं पर जाने वाले दर्शनार्थी अपनी प्राचीन विरासत को सांस्कृतिक श्रद्धा से ओत-प्रोत करके प्रस्तुत करते हैं, जो कि उनका अधिकार भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर कैलाश मानसरोवर एवं लद्दाख सिंधु दर्शन के दर्शनार्थियों को सरकार द्वारा चलायी जा रही धार्मिक यात्रा अनुदान योजना की राशि के चेक बांटने के उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि धर्म कोई संकुचित सोच नहीं अपितु एक वृहद जीवन शैली का वाहक है, धर्म मूल्यों, आदर्शों और सांस्कृतिक जीवन जीने

भक्ति

देश की सांस्कृतिक एकता प्रबलता की ओर अग्रसर है

कैलाश मानसरोवर यात्रा को प्रस्तुत करना गौरव की बात

का आधार है, और इस व्यवस्था में सरकार का हस्तक्षेप न्यूनतम होना चाहिये। समाज को स्वयं यह दायित्व निभाने के लिये खड़ा रहना चाहिए जिससे कि हमारी प्राचीन परम्पराओं और सांस्कृतिक गौरव की सतत रक्षा होती रहे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सौभाग्यशाली प्रदेश है कि इस प्रदेश में धार्मिक-सांस्कृतिक-ऐतिहासिक महत्त्व के विश्व प्रसिद्ध अनेकों स्थान हैं, इन स्थानों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ कर जहां एक और प्रदेश के पर्यटन का महत्त्व बढ़ाया जा सकता है वहीं इसे रोजगार बढ़ाने का संसाधन भी बनाया जा सकता है, प्रदेश सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 1 लाख तथा सिंधु दर्शन यात्रा के लिए 10 हजार की राशि के यह चेक उन यात्रियों को वितरित किये जिन्होंने वर्ष 2016 में यात्रा की थी। इन यात्रियों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जहां मुख्यमंत्री ने कमल कुमार, आशा सिंह एवं जितेंद्र सिंह, बीना भाटिया एवं दिनेश भाटिया, कपूर चंद्र एवं शान्ति देवी मऊ, सुलेखा-अमर सिंह राठौर मेरठ , सुमन लता-अभिषेक गुप्ता लखनऊ, अशोक सिंह आदि को 1 लाख के चेक दिए वही सिंधु दर्शन यात्रा के लिये उन्होंने धीरज राजपाल, सुमित, रोहित बालियानी, पंकज मध्यान, अदिति अवन्या. नम्रता मध्यान आदि को अनुदान राशि के चेक दिए।

मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन से पहले धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस वेबसाइट पर जहां दर्शनार्थी इन यात्रा अनुदान सुविधाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे वहीं विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मन्दिर, वाराणसी में ई-पूजा की सुविधा के अंतर्गत आरती, भोग, रुद्राभिषेक, श्रृंगार तथा अन्य अनुष्ठानो के बारे में विस्तार से जान सकेंगे।श्रद्धालु वेबसाइट पर मौजूद आवेदन पत्र भरकर बुकिंग की रसीद लेकर निर्धारित तिथि को सीधे अनुष्ठान हेतु प्रवेश पा सकेंगे। तथा उनकी अनुपस्थिति में भी मन्दिर प्रशासन अनुष्ठान-पूजा कर प्रसाद उनके घर पहुंचा दे ऐसे सुविधा भी इस पोर्टल पर है। श्रद्धालु ऑनलाइन डोनेशन कर 80-जी के तहत आयकर में छूट भी पा सकेंगे। इस अवसर पर प्रदेश के धर्मार्थ कार्य मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि आज यहां दिए जाने वाले चेक को राज्य सरकार के अनुदान के साथ-साथ योगी जी के प्रसाद के रूप में देखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा प्रदेश के धर्मार्थ कार्य एवं संस्कृति विभाग हालांकि छोटे विभाग हैं, परन्तु प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लक्ष्य में यह विभाग निरन्तर अपना योगदान करते रहेंगे। ब्यूरो